एक अच्छे लक्ष्य के साथ उसके प्राप्ति की विधि भी अच्छी हो

कई लोग होते हैं, उनके साथ न्याय नहीं हुआ तो जोश में आ जाते हैं, क्रोध में आकर कुछ कर बैठते हैं। वे नहीं समझते कि ठीक है, उनको न्याय नहीं मिला लेकिन उसके लिए क्रोध में आना, अत्याचार कर बैठना, यह भी न्याय नहीं है! न्याय नहीं मिला और न्याय प्राप्त करने के लिए क्रोध करते हैं, हिंसा करते हैं। अच्छा प्राप्त करने के लिए खराब काम कर लेते हैं। यह ठीक नहीं है। हमारा लक्ष्य भी अच्छा होना चाहिए और उसको प्राप्त करने की विधि भी अच्छी होनी चाहिए। यह हमने देखा है कि इसमें भी हम धोखा खा लेते हैं। हमारे कोई भाई-बहन हैं, वे हमसे व्यवहार ठीक नहीं करते। हमारे पीछे ही पड़ जाते हैं। हमसे ईर्ष्या करते हैं, द्वेष करते हैं। मान लो किसी वजह से हमारा और उनका स्वभाव-संस्कार नहीं मिलता। इसके लिए बाबा ने कहा है कि उनके प्रति हमें मधुरता, सहनशीलता, क्षमा, दिव्यता, सन्तोष, मिलनसार इत्यादि दिव्यगुणों की धारणा होनी चाहिए। इसके बदले उनकी बात या व्यवहार देख हम भी उत्तेजित होकर बोलने लगते हैं, व्यवहार करने लगते हैं तो हमारी जो स्थिति होनी चाहिए फरिश्ता स्वरूप की, बिन्दु स्थिति की या प्रभामण्डल की, वो न होकर हम नीचे की अवस्था में, शरीर अभिमान की अवस्था में आ जाते हैं।

हमारे सामने ज़रूर एक मूल्य होता है। फलाना आदमी इतने सालों से ज्ञान में होते हुए भी कई लोगों को परेशान कर रहा है, इसको कोई नहीं बोल रहा है, हम कुछ बोलें, हम इसको ठीक कर दें। लेकिन यह ज़िम्मेदारी आपको किसने दी है? बाबा कहते हैं, लॉ अपने हाथ में नहीं उठाओ। मैं न्यायकारी हूँ, मैं बैठा हूँ, मैं देखूंगा। आप अपना फर्ज़ पूरा करो, आपके लिए जो धारणा बतायी है, उनको धारण करो। मैंने जो स्थिति बनाने के लिए कहा है, वो बनाओ। धारणा करने में भी हम देखते दूसरों को हैं।

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

अपने आसुरी गुणों को छोड़ने के लिए जो पुरूषार्थ करना है, उसके लिए भी हम दूसरों को देखते हैं। इससे अपने दिव्यगुण को खो बैठते हैं। उससे अपनी स्थिति से नीचे आ जाते हैं। इसके बाद क्या होता है, मैंने पहले बताया था कि चित्र के बारे में, उसके मन में उस व्यक्ति का चित्र सामने आता रहता है कि वह व्यक्ति कैसा है। हमारे में जो चित्र आना चाहिए हमारे फरिश्ता स्वरूप का, प्रभामण्डल का, सारी सृष्टि को सकाश देने का, वो चित्र समाप्त हो जाता है। मैंने बताया था कि जब आपके विचार निगेटिव में बदल जाते हैं तो आपके मन में आने वाला चित्र भी निगेटिव में बदल जायेगा। इसलिए अपने सामने श्रेष्ठ चित्रों को कायम रखें या मूल्यों को कायम रखें तो निश्चित रूप से वो हमारी स्थिति बन जायेगी जो बाबा चाहते हैं।

बड़े हमें समझाते हैं, इशारा करते हैं तो स्वीकार करना चाहिए

तीसरी एक बात यह है कि जो हमारे में कोई कमी-कमज़ोरी आ जाती है, जिसका हमारे बड़े इशारा देते हैं, हमारा ध्यान उसपर नहीं है, जिसको हम ठीक समझ रहे हैं, जिससे हमें रूकावट पड़ रही है, जिसके कारण जो स्थिति होनी चाहिए, वो है नहीं। उसमें कोई हमें समझाता है, मार्गदर्शन करता है, इशारा करता है तो उसको हमें स्वीकार करना चाहिए लेकिन हम उसको नकार देते हैं। उसको हम सही सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। इससे भी जो हमारी स्थिति बननी चाहिए, वो नहीं बन पाती। समझते हुए भी उसको हम नहीं मानते हैं क्योंकि हम समझते हैं कि आगे के लिए हमारे व्यक्तित्व पर दाग लग जायेगा, लोग समझेंगे कि देखो, इसने अपनी गलती मान ली, उनके सामने हार स्वीकार कर ली। इससे कई बार हमारा विकास रूक जाता है। बाबा ने जो लक्ष्य दिया है, अगर उसके चित्र को सामने रखकर, उपरोक्त बातों का ध्यान रखकर पुरूषार्थ करते हैं तो हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

नेपाल-विराटनगर। ब्र.कु. प्रो. डॉ. अजय भट्टराई,ट्रिपल पीएचडी डिग्री धारक,नेपाल के युवा वैज्ञानिक,महेंद्र मोरंग मल्टीपल कैंपस में रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय के सेवा आयोग के सदस्य के रूप में चुने जाने पर एक और बड़ी सफलता हासिल की है, जिसे नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल(प्रचंड) द्वारा प्रस्तुत किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम को अब पूरे विश्वविद्यालय में अध्ययन के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा और ध्यान को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

स्वीडन-स्टॉकहोल्म। स्वीडन में भारतीय दूतावास में स्वीडन और लातविया में भारत के राजदूत तन्मय लाल से मुलाकात के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय पाण्डव की राजयोग शिक्षिका डॉ. ब्र.कु. गीता बहन।

भरतपुर-राज.। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. अर्चना सिंह,एचओडी बोटनी,एमएसजे कॉलेज भरतपुर, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता,डायरेक्टर सिटी हॉस्पिटल भरतपुर, ब्र.कु. कविता दीदी,सह प्रभारी आगरा सबज़ोन, श्रीमती मंजू सिंघल,डिस्ट्रिक्ट लेडीज़ क्लब भरतपुर, ब्र.कु. प्रवीणा बहन, ब्र.कु. जागृति बहन, ब्र.कु. प्रेम बहन तथा ब्र.कु. किरण बहन।

राँची-झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित मातृ दिवस के कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए सुभाष चंद्र गर्ग,डीजीएम,नाबार्ड, इन्दु साबू,समाजसेवी, डॉ. अर्चना,राजयोग केंद्र,राज्य सरकार, ब्र.कु. निर्मला दीदी, माया वर्मा,अध्यक्ष,इनर व्हील क्लब, अंजना सुल्तानिया, अमरजीत जी,क्षेत्रीय प्रबंधक,हुंडई मोटर्स व अन्य।

वाराणसी-उ.प्र.। रूद्राक्ष कंवेशन सेंटर में अखिल भारतीय संत समाज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, गंगा महासभा, श्रीकाशी विद्वत परिषद और श्री वैष्णव संत समाज काशी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम 'राष्ट्रहित में संत-समागम' में काशी सुमेरूपीठ के शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज, हिमाचल के माननीय राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, अखिल भारतीय संत समाज के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती जी, अन्नपूर्णा मंदिर के महंत स्वामी शंकर पुरी जी, प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी जी,अध्यक्ष,श्रीकाशी विद्वत परिषद, महंत पातालपुरी मठ श्री बालकदास जी महाराज, स्वामी विमलदेव आश्रम अध्यक्ष, दण्डी सन्यासी प्रबंधन समिति, पद्मश्री प्रो. नागेन्द्र पाण्डेय, पद्मश्री प्रो. के.के. त्रिपाठी, पद्मश्री पण्डित शिवनाथ मिश्र, पद्मश्री चन्द्रशेखर सिंह, अखिल भारतीय धर्मसंघ के श्री जगजीतन पाण्डेय आदि सहित क्षेत्र प्रचारक एवं प्रान्त प्रचारक रमेश जी ने राष्ट्रहित और मतदान के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ से वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. मोहन, ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. अंजलि, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. राधिका, ब्र.कु. तापोशी, ब्र.कु. सोनी, ब्र.कु. मीरा व अन्य भाई-बहनों सहित काशी के अनेक मठ, पंथ और समाज से हज़ारों की संख्या में साधु, संत और महात्माओं की उपस्थिति रही। अंत में ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा सभी महानुभावों को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा माउण्ट आबू आने का विशेष निमंत्रण दिया गया।

करनाल-से.7(हरि.)। ब्रह्माकुमारीज़ के 'खुशियाँ आपके द्वार' शिविर के चौथे दिन आयोजित कार्यक्रम के पश्चात हरियाणा के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेम दीदी व ब्र.कु. ओंकार चंद,माउण्ट आबू। कार्यक्रम में उपस्थित रहे नवीन संदूजा,बिज़नेसमैन, डॉ. धर्म दत्त शर्मा, डॉ. नंद किशोर महानी तथा अन्य।

झुंझुनू-राज.। पूर्व सैनिक कल्याण राज्यमंत्री प्रेम सिंह बाजोर को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. अमृत बहन व ब्र.कु. साक्षी बहन।

कोलकाता-प.बंगाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जेडी बिड़ला संस्थान द्वारा विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम में अपने छात्रों के लिए पाठ्यक्रम में नैतिकता और संस्कृति को शामिल करने के लिए त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत ध्यान सहित कुल आठ सत्र आयोजित किये गये। ब्र.कु. मोनिश बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. नेहा बहन, ब्र.कु. बोरनाली बहन और ब्र.कु. आशा बहन ने इन सत्रों का संचालन किया। हर बैच में संकाय सदस्यों के साथ विज्ञान स्ट्रीम से 70 छात्रों और वाणिज्य स्ट्रीम से 120 छात्रों ने भाग लिया।

कादमा-हरियाणा। जिला उपायुक्त मनदीप कौर,आई.ए.एस. को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वसुधा बहन और ब्र.कु. ज्योति बहन। इस मौके पर कादमा सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी और श्री राधा कृष्ण गौशाला अध्यक्ष सतबीर शर्मा उपस्थित रहे।